

## करुणानिधान मोपे कृपा कर

करुणानिधान मोपे कृपा कर रिझिए,  
बृज में बसाके मोहे सेवा सुख दीजिए  
प्रेम से भरदो मन, गाउँ तेरे भजन,  
रटूं तेरा नाम, मैं आठों याम

भाव भरे भूषणो से आपको सजाऊँ मैं,  
नितनव् भोज निज हाथों से पवाऊँ मैं  
करो जब तुम शयन, दाबू तुमरे चरण,  
रटूं तेरा नाम, मैं आठों याम

जब भी विहार करो, प्यारी संग सांवरै,  
फूल बन जाऊँ जहां, धरो तुम पाँव रे  
बनके शीतल पवन छू लूँ तेरा बदन,  
रटूं तेरा नाम, मैं आठों याम

तुम्हे देख जीऊँ तुम्हे देख मर जाऊँ मैं,  
जनम जनम तेरा दास ही कहाऊँ मैं  
रख लो अपनी शरण, करदो मन में रमन,  
रटूं तेरा नाम, मैं आठों याम

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21997/title/karunidhan-mope-kirpa-kar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |